

प्रक,

एल0एम0 पन्त,
सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

समा में,

- 1- सचिव,
शहरी विकास,
उत्तराखण्ड शासन।
- 2- अपर मुख्य अधिकारी,
नगर निगम,
देहरादून।

- 3- समस्त अधिशासी अधिकारी,
नगर पालिका परिषद,
उत्तराखण्ड।
- 4- समस्त अधिशासी अधिकारी,
नगर पंचायत,
उत्तराखण्ड।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 14 फरवरी, 2009

विषय:- 12वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत शहरी स्थानीय निकायों को अवमुक्त धनराशि के उपयोग हेतु समयवृद्धि के सम्बंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 12वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2005-06, 2006-07 तथा 2007-08 में नगर निगम, देहरादून, समस्त नगर पालिका परिषदों तथा नगर पंचायतों को विभिन्न शासनादेशों द्वारा अवमुक्त धनराशि के अवशेष को व्यय करने हेतु अन्तिम रूप से समय सीमा में 15 फरवरी, 2009 तक की वृद्धि की जाती है। पूर्व में निर्गत सभी शासनादेश इस सीमा तक संशोधित समझे जायेंगे। शेष शर्तें एवं प्रतिबन्ध निर्गत सुरंगत शासनादेशों के अनुसार ही रहेंगी।

भवदीय

(एल0एम0 पन्त)
सचिव, वित्त

संख्या:- 77(1)/XXVII(1)/2009 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- 2-आयुक्त, गढ़वाल मण्डल/कुमाँऊ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 3-समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4-निदेशक शहरी स्थानीय निकाय, निदेशालय, माता मन्दिर मार्ग अजबपुर, देहरादून।
- 5-महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 6-समस्त मुख्य/वरिष्ठ/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 7-एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से,

4/2/2009
(एल0एम0 पन्त)
सचिव, वित्त